डॉ0 भूपिन्दर कौर औलख (IAS)

उत्तराखण्ड शासन

सचिव,
विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड शासन
देहरादून।

प्यारे छात्र–छात्राओं, विद्वान शिक्षकवृन्द सम्मानित अभिभावकों शिक्षणेत्तर अभिकर्मियों एवं प्रदेश के सम्मानित शिक्षाप्रेमी नागरिकों, मुझे आज भारत के स्वतंत्रता दिवस पर आपसे बातचीत करने में अपार प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। आज से ठीक 71 वर्ष पूर्व 15 अगस्त, 1947 को हमें वर्षो की गुलामी के पश्चात के विदेशी शासन से आजादी प्राप्त हुयी। स्वतंत्रता दिवस को हमारें छात्र–छात्राएं बस्तियों में घूम–घूम कर प्रभांत फेरियॉ निकाल रहे हैं, भारत का तिरंगा हाथों में लहराते हुए देश भक्ति के नारे लगा रहे हैं, यह दृष्य बच्चों के साथ–साथ जन समुदाय में देश प्रेम की भावना का संचार करती है।

देश की स्वतंत्रता हेतु हमारे देश भक्त स्वंतत्रता सेनानियों एवं वीर शहीदों द्वारा निरन्तर अथक प्रयास किये गये परन्तु आज हम देख रहें है कि हमारे छात्र–छात्राओं एवं नवयुवक देश की आजादी की घटनाओं, स्वंतत्रता दिवस एवं स्वंतत्रता से जुड़ी कहानियों को भूलते जा रहे हैं या फिर इस का दूसरा पहलू भी देखें तो हम अपने नवयुवकों को देश की आजादी की घटनाओं से परिचित नहीं करा पा रहे है। देश की युवा शक्ति, छात्र–छात्रायें एवं ऐसे नागरिक जो स्वंतत्रता की घटनाओं से चिर परिचित हों, एवं देश की आजादी में हमारे वीर शहीदों की शहादत से चिर परिचित हों उनमें देश प्रेम की भावनाएं अधिक बलवती होंगी, और वे क्षेत्रवाद, जातिवाद, धार्मिकता, सम्प्रदायवाद से उपर उठकर समाज एवं देश के समग्र विकास के बारे में चिन्तित होंगे ऐसा मेरा विश्वास है।

अतः इस पुनीत अवसर पर मेरा अनुरोध है कि हमारे विद्धान शिक्षक साथी विद्यालय में अध्यनरत छात्र–छात्राओं को देश की स्वंतत्रता से सम्बन्धित विभिन्न घटनाओं जैसे प्रथम स्वंतत्रता संग्राम, बंगाल का विभाजन, असहयोग आन्दोलन, चौराचौरी की घटना, सविनय अवज्ञा आन्दोलन, नमक कानून तोड़ने हेतु गांधी जी की डांडी यात्रा, जलियावाला बाग हत्याकाण्ड, साइमन कमिशन का विरोध, सत्याग्रह आन्दोलन, भारत छोडो आन्दोलन के साथ–साथ स्वतन्त्रता आन्दोलन के नायकों जैसे महात्मा गांधी, बाल गगांधर तिलक, मंगल पाण्डेय, सुभाष चन्द्र बोस, शहीद भगतसिंह, राजगुरू, चन्द्रशेखर, अस्फाकउल्ला खॉ आदि से सम्बन्धित दृष्टातों से समय समय पर परिचित कराया जाय। साथ ही आजादी की लड़ाई में सम्मिलित स्थानीय राजनेताओं से भी परिचित कराया जाय।

इस हेतु बच्चों से समय समय पर प्रार्थना सभा में जानकारी साझा की जाय तथा विद्यालय स्तर पर समय समय पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित कर बच्चों को स्वंतत्रता आन्दोलन के प्रति जांनकारी हासिल करने हेतु प्रेरित किया जाय।

इस अवसर पर अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद से जुड़ी एक छोटी घटना आपसे साझा करना चाहंती हूॅ। चन्द्रशेखर आजाद, स्वंतत्रता आन्दोलन के दौरान किसी गांव में लगभग 1 वर्ष तक वेश बदलकर रहे। इस दौरान उन्होने गांव के नवयुवकों को पढ़ाने का कार्य किया। वे नवयुवकों में देशभक्ति की भावना भरते तथा गांव के सामुदायिक सहयोग हेतु नवयुवकों को प्रेरित करते थे। एक दिन उन्होने ग्रामवासियों को कहा कि उनकी मां बीमार है अतः उन्हें जाना

Scanned by CamScanner

होगा। गांववासी बडे मायूस हुए, उनके प्रिय शिष्य उन्हे बस स्टाप पर छोडने गये वहां उन्होने बताया कि उनकी भारत मां उन्हे बुला रहीं है। ऐसे देशभक्तों के दृष्टान्त, बच्चों में देशभक्ति की भावना प्रज्वलित करने में सहायक होगी।

अतः मेरा अनुरोध है कि विद्यालय स्तर पर समय–समय पर बच्चों में राष्ट्र प्रेम की भावना को जागृत करने हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जांय। बच्चों तथा विद्यालय के अभिकर्मियों को यह अवगत कराया जाय कि अपने दायित्वों का पूरी तनमयता से निर्वहन करना भी राष्ट्र की सेवा है। इस अवसर पर बच्चों को यह बताया जाय कि सार्वजनिक सम्पत्ति की सुरक्षा करना समाज में सौहार्द एवं भाईचारा बनाना सभी वर्गो का यथोचित सम्मान करना, नियमों का पालन करना भी देशप्रेम के समान है।

सवतंत्रता दिवस के पुनीत अवसर पर मेरा अनुरोध है कि प्रदेश को अग्रणी शिक्षित प्रदेश की श्रेणी में लाने हेतु हम सौंपे गये कार्यो को करते हुए शैक्षिक गुणवत्ता के अभियान में अपनी पूर्ण सहभागिता निभायें। बच्चों की मासिक परीक्षा नियमित रूप से सम्पादित करने के उपरान्त शिक्षक कठिनाई के स्तरों का पता लगाकर बच्चों की शंकाओं को दूर करते रहें। जनपदीय और विकास खण्ड के अधिकारी शिक्षण संस्थाओं का नियमित अनुश्रवण करते हुए संस्थाओं के शैक्षणिक एवं समेकित विकास हेतु अपना सुझाव देते रहें। बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित जांच होती रहे। मध्याह्न भोजन के लिए स्वच्छ अनाज एवं सब्जियों का उपयोग किया जाय तथा भोजन बनाने हेतु कढ़ाई का उपयोग अवश्य किया जाय। बच्चों को स्वच्छता के प्रति नियमित रूप से जागृत करते हुए स्वच्छ भारत अभियान में प्रत्येक की भागीदारी सुनिश्चित की जाय। बच्चों को विभिन्न समाजिक बुराइयों एवं नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने हेतु प्रेरित किया जाय। इससे हम एक स्वस्थ समुदाय का निर्माण कर सकेंगे। इस के साथ ही परिवेशीय वातावरण को संरक्षित करने हेतु सभी बच्चों एवं जन समुदाय को प्रोत्साहित किया जाय। शिक्षण संस्थाओं में आपके एवं सभी बच्चों के द्वारा 25 जुलाई, 2018 को **"पौधा मेरे नाम का"** रोपित किया गया होगा, जिसमें बच्चे की नाम पटिका लगी होगी। पौधों की सुरक्षित देख भाल हेतु बच्चों को प्रेरित किया जाय।

अन्त में प्रदेश के समस्त शैक्षिक अभिकर्मियों, छात्र–छात्राओं तथा अभिभावकों से मेरा अनुरोध है कि हम सभी प्रदेश को अग्रणी शिक्षित प्रदेश बनाने के साथ–साथ देश के अमर शहीदों की अपेक्षाओं के अनुसार बच्चों में आदर्श नागरिक के गुण विकसित कर आदर्श समुदाय बनाने में अपना अभीष्ट योगदान प्रदान करें।

देहरादून
दिनांक 15-08-2018

(डॉ0 भूपिन्दर कौर औलख)

Scanned by CamScanner